दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२५६ वा | बुधवार १६ एप्रिल २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

अब नगरपालिका, नगर पंचायत और इंडस्ट्रियल टाउन के अध्यक्षों को हटाने का अधिकार चुने हुए सदस्यों को मिलेगा

राज्य मंत्रिमंडल बैठक में अधिनियम में संशोधन को मंजूरी

मुंबई / १५ अप्रैल (अज़ीज़ एजाज़)
महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए अब राज्य की नगरपालिका, नगर पंचायत और इंडस्ट्रियल टाउन के अध्यक्षों को उनके पद से हटाने का अधिकार चुने हुए सदस्यों को देने का निर्णय लिया है। इसके लिए महाराष्ट्र नगरपालिका, नगर पंचायत और इंडस्ट्रियल टाउनशिप अधिनियम १९६५ में संशोधन किया जाएगा। इस प्रस्ताव को आज राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दी गई।

अब तक किसी अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए ५०% चुने हुए सदस्यों के हस्ताक्षर युक्त प्रस्ताव जिलाधिकारी को भेजा जाता था, जिसके बाद सरकारी स्तर पर कार्रवाई की जाती थी। लेकिन अब नए संशोधन के अनुसार, दो तिहाई सदस्यों के हस्ताक्षर युक्त प्रस्ताव जिलाधिकारी को भेजा जाएगा। इसके बाद जिलाधिकारी को १० दिनों के भीतर विशेष बैठक बुलाकर वोटिंग के माध्यम से निर्णय लेना होगा। इसके लिए अधिनियम में संशोधन और अध्यादेश लाने की मंजूरी दी गई है। मंत्रिमंडल के अन्य महत्वपूर्ण निर्णय

१. राज्य की महानगरपालिकाओं और नगरपालिका, नगर पंचायत तथा इंडस्ट्रियल टाउन क्षेत्रों में गैर-चल संपत्ति और किराए से संबंधित नियमों में एकरूपता लाई जाएगी। इसके लिए नए दरों की अधिसूचना जारी करने को मंजूरी दी गई।

२. राज्य की नगरपालिका, नगर पंचायत और इंडस्ट्रियल टाउन क्षेत्रों में बकाया प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली बढ़ाने के लिए दंड माफ कर 'अभय योजना' लागू करने को मंजूरी मिली।

३. चिखलोली-अंबरनाथ में जूनियर लेवल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास सिविल कोर्ट की स्थापना को मंजूरी दी गई।

४. लातूर स्थित पूर्णमल लाहोटी सरकारी तकनीकी महाविद्यालय में इस वर्ष से तीन नए इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स शुरू करने को मंजूरी दी गई।

५. भूमि अधिग्रहण मुआवजा भुगतान में देरी होने पर उस राशि पर समान दर से ब्याज दिया जाएगा, जो बैंक की ब्याज दर से १% अधिक होगा। इस संदर्भ में विधानसभा और विधान परिषद में विधेयक प्रस्तुत करने की मंजूरी दी गई।

माजलगांव में भाजपा नेता की सटूर से नृशंस हत्या

आरोपी ने स्वयं पुलिस में किया सरेंडर; अनैतिक संबंध के शक में वारदात को दिया अंजाम

माजलगांव / प्रतिनिधि :
बीड जिले के माजलगांव तालुका के मस्सजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि माजलगांव शहर में भाजपा नेता की दिनदहाड़े सटूर से नृशंस हत्या कर दी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माजलगांव शहर के शाहूनगर इलाके में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय के सामने भाजपा के लोकसभा जिला विस्तारक और सक्रिय कार्यकर्ता बाबासाहेब प्रभाकर आगे (उम्र ३५ वर्ष, निवासी किट्टी आडगांव) की बेलुरा गांव के नारायण शंकर फपाळ नामक आरोपी ने अनैतिक संबंध के शक के चलते

मयत बाबासाहेब आगे

सटूर से सिर, गर्दन, कमर, पीठ और पेट पर ताबड़तोड़ १५ से १६ वार कर बेरहमी से हत्या कर दी।

बताया जा रहा है कि बाबासाहेब आगे किसी काम से माजलगांव आए हुए थे। उसी दौरान आरोपी नारायण शंकर फपाळ ने उनका पीछा किया और पहले से शर्ट में छिपाकर रखे हुए सटूर से उन पर हमला कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल आगे को ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक बाबासाहेब आगे दो दिन पूर्व राज्य मंत्री मेघना बोर्डीकर से भी मिले थे और बीड जिले के दौरे में सक्रिय रूप से पार्टी कार्य में जुटे हुए थे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना अनैतिक संबंध के शक में घटित हुई है। इस संबंध में शहर पुलिस थाने में आरोपी नारायण शंकर फपाळ के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस निरीक्षक राहुल सूर्यतल के मार्गदर्शन में पीएसआई डिंडे कर रहे हैं।

नाम की उत्पत्ति रूह अफ़ज़ा

'रूह अफ़ज़ा' नाम का मतलब है - आत्मा को ताज़गी देने वाला। यह नाम उर्दू साहित्य की प्रसिद्ध किताब 'मसनवी गुलज़ार-ए-नसीम' से लिया गया है। इसे लखनऊ के मशहूर लेखक पंडित दया शंकर 'नसीम' ने लिखा था। इस नाम ने इस पेय की ताजगी और सुकून देने वाली खूबी को बखूबी दर्शाया।

हमदर्द दवाखाना की शुरुआत

साल १९०६ में हकीम हाफिज़ अब्दुल मजीद ने पुरानी दिल्ली में 'हमदर्द' नाम से एक यूनानी चिकित्सा पद्धति पर आधारित दवाखाना शुरू किया। 'हमदर्द' का मतलब है - दुख में साथी। इसी दवाखाने से रूह अफ़ज़ा की शुरुआत हुई और जल्द ही यह लोगों की पहली पसंद बन गया।

अनोखी रेसिपी और लोकप्रियता

रूह अफ़ज़ा की रचना में जड़ी-बूटियां, फल, फूल और सब्जियां शामिल हैं, जो शरीर को ठंडक और ताजगी देती हैं। इसकी लोकप्रियता को देखकर कई कंपनियों ने इसकी नकल करने की कोशिश की, लेकिन रूह अफ़ज़ा जैसा स्वाद और खुशबू कोई नहीं बना सका।

गुप्त रेसिपी

हमदर्द कंपनी के सीईओ हमीद अहमद के मुताबिक, रूह अफ़ज़ा की असली रेसिपी सिर्फ तीन लोगों को ही पता है। यह रेसिपी १९०७ से आज तक बिना किसी बदलाव के इस्तेमाल की जा रही है।

आज के दौर में रूह अफ़ज़ा

आज रूह अफ़ज़ा न सिर्फ भारत में, बल्कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी बड़े चाव से पिया जाता है। खासतौर से रमज़ान के महीने में इफ्तार के समय इसका सेवन किया जाता है। गर्मियों में इसे दूध या पानी के साथ मिलाकर ठंडक पाने के लिए पीया जाता है।

रूह अफ़ज़ा की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि यह पेय अपने सौ साल से भी ज्यादा के सफर में आज भी लोगों के दिलों में ताज़गी और स्वाद की एक खास पहचान बनाए हुए है।

राशन दुकानों पर १० जरूरी वस्तुएं बेचने की मंजूरी

राशन डीलरों के कमीशन में बढ़ोतरी, अजित पवार की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण निर्णय

मुंबई / प्रतिनिधि :
महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में ७ करोड़ से अधिक लाभार्थियों को राशन वितरित करने वाले राशन डीलरों की वर्षों पुरानी मांग को स्वीकार करते हुए उनके कमीशन में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। अब राशन डीलरों को प्रति क्विंटल १५० रुपये के बजाय १७० रुपये कमीशन मिलेगा। यह फैसला राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं खाद्य व नागरी आपूर्ति मंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया।

इस बैठक में यह भी तय किया गया कि केंद्र सरकार की अनुमति से छ-ऋएऊ के माध्यम से उपलब्ध १० जरूरी वस्तुएं अब राशन दुकानों के जरिए बेची जाएंगी ताकि आम जनता को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण घरेलू सामग्री आसानी से मिल सके।

राज्य के खाद्य विभाग के मुताबिक देशभर में ८० करोड़ और महाराष्ट्र में करीब ७ करोड़ लोगों को राशन दुकानों के जरिए सब्सिडी वाला अनाज उपलब्ध कराया जाता है। इस व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, तेज व प्रभावी बनाने के लिए राशन वितरण प्रणाली को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाएगा। इसमें स्मार्ट राशन कार्ड, इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, ऋझड ट्रैकिंग और लाइव मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

अजित पवार ने कहा कि राज्य में राशन वितरण प्रणाली को सशक्त और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाया जाएगा। गुनाहगार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हर ग्रामीण राशन कार्डधारक को तय योजना के अनुसार अनाज मिलना चाहिए।

मुंबई और ठाणे के शहरी इलाकों में राशन व्यवस्था का पुनर्गठन किया जाएगा। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक राशन कार्यालय स्थापित किया जाएगा। इसके तहत मुंबई और ठाणे में एक जोनल ऑफिस और ५ नए राशन कार्यालय शुरू किए जाएंगे।

बैठक में खाद्य और औषधि मंत्री नरहरी झिरवाल, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव ओपी गुप्ता, उपमुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव डॉ. राजेश देशमुख, खाद्य व नागरी आपूर्ति सचिव जयंती भोंज, राशन कंट्रोलर सुधाकर तिलंग, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और राशन डीलरों के संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राशन डीलरों की विभिन्न संगठनों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार का आभार जताया।

मुंबई / विशेष प्रतिनिधि :
ईश्वर सम्पूर्ण सृष्टि का रचयिता है और समस्त मानव जाति उसकी बनाई हुई है। इसलिए ईश्वर का दिया हुआ धर्म सत्य, प्रेम, करुणा, दया, न्याय और शांति पर आधारित होना अनिवार्य है। इस्लाम यदि दावा करता है कि वह ईश्वरीय धर्म है, तो वह निश्चित ही इन सभी कसौटियों पर खरा उतरता है।

इस्लामोफोबिया-इस्लाम के खिलाफ डर और नफरत का वैश्विक षड्यंत्र

फिर भी आज दुनिया भर में 'इस्लामोफोबिया' यानी इस्लाम के खिलाफ डर, पूर्वग्रह और नफरत का माहौल क्यों है? यह एक गंभीर चिंतन का विषय है।

इस्लाम का मूल संदेश सत्य, शांति और न्याय है। कुरआन स्पष्ट कहता है कि धर्म के मामले में कोई जबरदस्ती नहीं है। (कुरआन २:२५६)। इस्लाम का प्रचार बलपूर्वक नहीं, बल्कि उपदेश और सद्भाव से किया जाता है। इतिहास भी गवाह है कि जबरदस्ती से कोई धर्म स्थायी नहीं रह सकता।

'जिहाद' शब्द का वास्तविक अर्थ भी सत्य और न्याय के लिए प्रयास करना है, न कि हिंसा फैलाना। इस्लाम का अनुयायी वह है जिससे हर व्यक्ति सुरक्षित महसूस करे।

मध्यपूर्व के मुस्लिम देशों पर महाशक्तियों की लूट और दखलअंदाजी को धार्मिक संघर्ष का नाम देकर 'जिहाद' शब्द को बदनाम किया गया। अमेरिका और उसके मित्र देशों ने इराक, लीबिया, सीरिया और अफगानिस्तान जैसे देशों को बर्बाद कर उनकी संपदा पर कब्जा जमाया।

दुनिया के सबसे अमीर देशों में से मुस्लिम देश हैं, जहां तेल और खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में है। साम्राज्यवादी ताकतें इसी पर कब्जा करना चाहती हैं। इस्लामोफोबिया के जरिए उन्होंने दुनिया में इस्लाम के खिलाफ डर और नफरत का माहौल तैयार किया।

भारत में भी इसी रणनीति को अपनाया गया। जातिवादी और वर्चस्ववादी शक्तियों ने मुसलमानों को देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बताकर सत्ता प्राप्त की।

लेखक अर्शद शेख का मानना है कि मुस्लिम समुदाय की पिछड़ापन इस कारण नहीं है कि वे इस्लाम के अनुयायी हैं, बल्कि इसलिए है कि वे इस्लामी जीवन पद्धति से दूर हो गए हैं। इस्लाम का अर्थ है सम्पूर्ण समर्पण और नैतिक जीवन।

इस्लाम एक प्रगतिशील, सफल और नैतिक जीवनशैली का नाम है। इस जीवनशैली को अपनाकर कोई भी व्यक्ति पिछड़ा नहीं रह सकता।

विशेष
अर्शद शेख
ऑर्कीटेक इंजिनिअर

अंत में लेखक ने प्रार्थना की है कि -

अल्लाह हमें सद्बुद्धि दे, सत्य की पहचान कराए और हमारे देश में शांति, प्रेम और सद्भावना बनाए रखे। हम सब एक आदर्श जीवन जिएं और दुनिया के सामने सहजीवन का उदाहरण प्रस्तुत करें।

संदर्भ ग्रंथ: इस्लाम-द अल्टिमेट आर्ट ऑफ लिविंग

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

अगर भाजपा मुस्लिमों की वास्तव में हितैषी है तो किसी मुसलमान को प्रधानमंत्री या राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए-हर्षवर्धन सपकाल का तीखा हमला

फडणवीस, अजित पवार और शिंदे को मोदी पर भरोसा है तो महाराष्ट्र के लिए विशेष पैकेज लाएं-सपकाल

अकोला / प्रतिनिधि :

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि यदि भारतीय जनता पार्टी वास्तव में मुस्लिमों के साथ हमदर्दी रखती है, तो उसे किसी मुस्लिम व्यक्ति को प्रधानमंत्री या पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना चाहिए।

अकोला में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए सपकाल ने कहा कि अब तक कांग्रेस पार्टी के ८९ अध्यक्ष रहे हैं, जिनमें हर धर्म, जाति, वर्ग, महिला, पुरुष, आदिवासी, दलित, हिंदू, मुस्लिम और ईसाई शामिल रहे हैं। कांग्रेस ने हमेशा विकास का लाभ हर वर्ग तक पहुंचाया

है, जबकि भाजपा केवल मुस्लिमों के प्रति दिखावटी हमदर्दी दिखा रही है।

उन्होंने कहा कि तीन तलाक के कानून और वक्फ बोर्ड के नाम पर मुस्लिम महिलाओं और गरीब मुसलमानों की बात करना सिर्फ एक राजनीतिक दिखावा है। यदि भाजपा ईमानदार है तो उसे अपनी नेतृत्व की जिम्मेदारी किसी मुस्लिम नेता को सौंपनी चाहिए।

सपकाल ने कहा कि भाजपा के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा का कार्यकाल समाप्त हो चुका है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ७५ वर्ष की उम्र पार कर चुके हैं, ऐसे में उन्हें अब सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भी अब विश्राम देना चाहिए और किसी दलित या आदिवासी नेता को संघ की बागडोर सौंपी जानी चाहिए।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए सपकाल ने राज्य में लंबे समय से नहीं हो रहे नगर निगम और पंचायत चुनावों पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की सत्ता पर केवल तीन लोगों – शिंदे, फडणवीस और अजित पवार – का कब्जा है। इन तीनों ने सभी निर्णयों को केंद्रीकृत कर राज्य की लोकतांत्रिक व्यवस्था को पंगु बना दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने राज्य की अर्थव्यवस्था को माफियाओं के हाथों सौंप दिया है। केंद्र सरकार ने किसानों को उनकी उपज के लिए उचित मूल्य नहीं दिया और न ही बारिश, ओलावृष्टि और प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान का मुआवजा दिया। ठेकेदारों को भुगतान नहीं हो रहा, एसटी कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा और 'लाडकी बहन' जैसी योजनाएं भी बजट की कमी का शिकार हो रही हैं।

सपकाल ने राज्य में बढ़ते नशे के कारोबार पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गुजरात के कांडला बंदरगाह से बड़ी मात्रा में ड्रग्स की तस्करी महाराष्ट्र में हो रही है, लेकिन सरकार और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। राज्य में पूर्णकालिक गृहमंत्री की नियुक्ति न होने के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति भी बेहद खराब हो चुकी है। इस अवसर पर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सचिव कुणाल चौधरी, विधायक साजिद खान पठान, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. प्रशांत वानखेडे, ग्रामीण जिला अध्यक्ष अशोक अमनकर, पूर्व मंत्री अजहर हुसैन, प्रदेश महासचिव श्याम अमलकर, हिदायत पटेल, मदन भरगड़, महेश गंगणे, डॉ. ज़ीशान हुसैन, डॉ. अभी पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोठरी में कैदी की मौत पर परिजनों को मिलेगा ५ लाख रुपये मुआवजा

मंत्रिमंडल बैठक में मृत्युप्रकरणों को लेकर नई नीति को मंजूरी

मुंबई / प्रतिनिधि (जमीर काज़ी)

महाराष्ट्र के जेलों में बंद कैदियों की कोठरी में यदि अप्राकृतिक कारणों से मौत होती है, तो उनके परिजनों को मुआवजा देने की नीति को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी गई है। यह निर्णय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सिफारिश के आधार पर लिया गया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में तय किया गया कि यदि कैदी की मृत्यु जेल प्रशासन, डॉक्टरों या कर्मचारियों की लापरवाही के कारण होती है, या जेल में हुए किसी झगड़े या मारपीट के चलते होती है, और जांच में लापरवाही साबित होती है, तो मृतक कैदी के परिजनों को ५ लाख रुपये मुआवजा दिया जाएगा।

वहीं, अगर कैदी ने जेल में आत्महत्या की है तो उसके परिजनों को १ लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

यह नई नीति राज्य के सभी कारागृहों में लागू होगी। हालांकि, वृद्धावस्था, लंबी बीमारी, जेल से भागने के प्रयास में हुई मौत, जमानत पर रहते समय या इलाज से इनकार करने के चलते हुई मृत्यु पर किसी प्रकार का मुआवजा नहीं मिलेगा।

प्राकृतिक आपदाओं से हुई मौत पर सरकार की मौजूदा नीतियों के तहत ही सहायता दी जाएगी।

मुआवजा देने की प्रक्रिया के तहत संबंधित जेल अधीक्षक को प्राथमिक जांच रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, पंचनामा, मेडिकल रिपोर्ट, न्यायालयीन व जिलाधिकारी की जांच रिपोर्ट आदि दस्तावेजों के साथ मामला क्षेत्रीय विभाग प्रमुख के पास भेजना होगा। इसके बाद विस्तृत जांच कर प्रस्ताव अपर पुलिस महानिदेशक व महानिरीक्षक (कारागृह व सुधार सेवा), महाराष्ट्र राज्य, पुणे को भेजा जाएगा। उनकी सिफारिश पर अंतिम निर्णय लेकर सरकार मुआवजा जारी करेगी।

इसके साथ ही, जिन अधिकारियों की लापरवाही मृत्यु का कारण पाई जाएगी, उनके खिलाफ कार्रवाई करने का भी निर्णय लिया गया है। सोमनाथ सूर्यवंशी प्रकरण का पड़ा असर परभणी पुलिस कोठड़ी में मृत हुए सोमनाथ सूर्यवंशी की घटना के बाद राज्यभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। उनकी मौत की पुष्टि के बाद राज्य सरकार को भारी जनाक्रोश का सामना करना पड़ा था। मानवाधिकार आयोग ने सरकार को न सिर्फ दोषियों पर कार्रवाई करने, बल्कि मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की सिफारिश की थी। अब सरकार ने इस सिफारिश को लागू करने का निर्णय लिया है।

किसानों की मेहनत को नहीं मिल रहा दाम

जिलाधिकारी कार्यालय के सामने लाल कीचड़ में किया आंदोलन

बीड, १५ अप्रैल (प्रतिनिधि) :

बीड जिले के किसानों पर एक ओर जहां सूखा, बेमौसम बारिश और फसल नुकसान जैसे प्राकृतिक संकट टूट रहे हैं, वहीं दूसरी ओर फसलों को उचित दाम न मिलने से किसानों की कमर टूट गई है।

मूलकवाडी के किसान अशोक धास ने बड़ी मेहनत से टमाटर की खेती की, लेकिन बाजार में कीमत न मिलने से उनके खेत में ही टमाटर सड़ने लगे हैं। बाजार में टमाटर की आवक बढ़ने के कारण दाम गिर गए हैं और किसानों के पसीने की मेहनत को उचित मूल्य नहीं मिल रहा है।

सरकार की नीतियों के विरोध में १५ अप्रैल सोमवार को डॉ. गणेश धवले के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय के सामने 'लाल कीचड़ तुडव आंदोलन' किया गया।

किसानों ने आरोप लगाया कि वे प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ बढ़ती खाद, बीज, यूरिया, दवाईयों और मजदूरी

के खर्च के बावजूद अपने उत्पादों को बेहद कम दामों में बेचने को मजबूर हैं। इससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने मांग की कि उनकी फसलों को उचित समर्थन मूल्य दिया जाए। साथ ही कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे को किसानों के प्रति असंवेदनशील रवैया अपनाने के कारण मंत्री पद से बर्खास्त किया जाए।

इस आंदोलन में मूलकवाडी के टमाटर उत्पादक किसान अशोक धास, शेख यूनुस, सुदाम तांदले, शिवशर्मा शेलार, शेख मुबीन, पांडुरंग हराले, प्रदीप औसरमल, गौतम कोरडे और आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक येडे आदि शामिल रहे।

पूर्व विधायक संजय घाटगे, पांडुरंग बरोरा सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा में प्रवेश किया

भाजपा की सदस्य संख्या में होगी ५० लाख की बढ़ोतरी-चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई / विशेष प्रतिनिधि :

महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी को उस समय बड़ी मजबूती मिली जब विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेताओं और पूर्व विधायकों ने भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक संजय घाटगे (ठाकरे गुट – कागल), पूर्व विधायक पांडुरंग बरोरा (राष्ट्रवादी शरद पवार गुट – शहापुर), मालेगांव के वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रसाद बलीराम हीरे और श्रीरामपुर के पूर्व नगराध्यक्ष संजय फंड ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने इस अवसर पर विश्वास व्यक्त किया कि इन नेताओं के भाजपा में शामिल होने से पार्टी की सदस्य संख्या ५० लाख और बढ़ेगी।

बावनकुले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकसित महाराष्ट्र के संकल्प को साकार करने के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कांग्रेस, ठाकरे गुट और राष्ट्रवादी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

इस अवसर पर राज्य के उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत दादा पाटिल, जलसंपदा मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, विधायक सीमा हीरे, पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, पूर्व सांसद रणजीतसिंह नाइक-निंबालकर, प्रदेश महासचिव विजय चौधरी सहित कई नेता उपस्थित थे।

बावनकुले ने कहा कि कागल और शहापुर के पूर्व विधायकों के भाजपा में शामिल होने से कोल्हापुर और ठाणे जिलों में पार्टी को मजबूती मिलेगी। नाशिक जिले में भी प्रसाद हीरे और उनके हजारों समर्थकों के भाजपा में शामिल होने से पार्टी संगठन मजबूत होगा। इस अवसर पर प्रसाद हीरे ने कहा कि शहर के विकास के लिए उन्होंने भाजपा की सदस्यता ली है और भाजपा के प्रति निष्ठा से काम कर नाशिक जिले में पार्टी का झंडा ऊंचा करेंगे।भाजपा में शामिल होने वाले अन्य प्रमुख नेताओं में ठाणे जिले के वरिष्ठ नेता शिवाजीभाऊ देशमुख, श्रीरामपुर के कांग्रेस नेता व पूर्व उपनगराध्यक्ष श्रीनिवास विहाणी, १२ पूर्व नगरसेवक, आगरी क्रांति संगठन के अध्यक्ष शिवाजी अधिकारी, ठाणे जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के संचालक इंद्रजीत पडवळ, जिला परिषद के पूर्व सभापति निखिल बरोरा, फलटण के पूर्व नगराध्यक्ष दिलीपसिंह भोसले, वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र बेडकीहाल, तुषार गांधी, प्रसाद हीरे की पत्नी गीता हीरे, नाशिक जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष बाजीराव निकम सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा में प्रवेश किया।

मुंबई, पुणे और नागपुर में बनेंगे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र

महाराष्ट्र सरकार और IBM टेक्नोलॉजी के बीच हुआ समझौता

मुंबई / विशेष प्रतिनिधि :

महाराष्ट्र सरकार और खइच् टेक्नोलॉजी (इंडिया) के बीच मंगलवार को एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ, जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से प्रशासनिक तंत्र में व्यापक सुधार लाना है। यह करार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ।

समझौते के तहत राज्य में तीन एआई कौशल और उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मुंबई में भौगोलिक विश्लेषण के लिए, पुणे में फॉरेंसिक विज्ञान की बुनियादी सुविधाओं के लिए, और नागपुर में उन्नत एआई अनुसंधान तथा च-ठतएङ इम्प्लिमेंटेशन टेक्नोलॉजी के लिए केंद्र स्थापित किया जाएगा।

इस भागीदारी का उद्देश्य सरकारी सेवाओं की डिलीवरी को अधिक प्रभावी, तीव्र और नागरिक-केंद्रित बनाना है। इसके तहत एआई, हाइब्रिड क्लाउड, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सुरक्षा और ऑटोमेशन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

इस करार के जरिए वर्चुअल असिस्टेंट और एजेंटिक एआई की मदद से सरकारी सेवाओं को अधिक सरल और व्यक्तिगत बनाया जाएगा। एआई मॉडल्स के स्वामित्व का अधिकार महाराष्ट्र सरकार के पास होगा और तकनीकी नियंत्रण भी सरकार के ही अधीन रहेगा।

जनरेटिव एआई का उपयोग करके प्रशासनिक प्रक्रियाएं अधिक आधुनिक, पूर्वानुमान आधारित और पारदर्शी बनाई जाएंगी। इसके साथ ही हाइब्रिड क्लाउड, पहचान प्रबंधन और सुरक्षित नागरिक प्रवेश प्रणाली पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

समझौते के समय उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ॲड. आशीष शेलार, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक और खइच् के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप पटेल उपस्थित थे।

गेवराई के वरिष्ठ पत्रकार काज़ी हयातुल्ला के नाम से हर वर्ष दिया जाएगा पुरस्कार

महाराष्ट्र पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष वसंत मुंडे की घोषणा

बीड / प्रतिनिधि :

बीड जिले की पत्रकारिता को गौरवशाली बनाने वाले गेवराई तालुका के पहले वरिष्ठ पत्रकार काज़ी हयातुल्ला की स्मृति में हर वर्ष उनके नाम से पुरस्कार दिया जाएगा। यह घोषणा महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष वसंत मुंडे और बीड जिला पत्रकार संघ के संस्थापक अध्यक्ष संतोष मानूरकर ने की है।

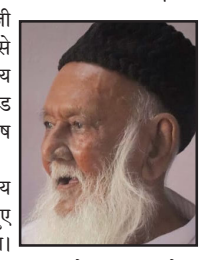

काज़ी हयातुल्ला ने ६० वर्षों से अधिक समय तक निष्ठापूर्ण और निष्पक्ष पत्रकारिता करते हुए अगली पीढ़ी के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया। वे राजनीतिक प्रभावों से दूर रहकर लेखनी के माध्यम से आमजन को न्याय दिलाने वाले पत्रकार रहे। उनकी निष्कलंक और स्वाभिमानी पत्रकारिता को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए उनके नाम पर यह वार्षिक पुरस्कार आरंभ किया जाएगा।

काज़ी हयातुल्ला के निधन के पश्चात रविवार, १३ अप्रैल २०२५ को वसंत मुंडे, संतोष मानूरकर और मराठवाड़ा संपर्क प्रमुख वैभव स्वामी ने उनके परिवार से भेंट कर सांत्वना व्यक्त की।

इस अवसर पर तालुकाध्यक्ष अंकुश आतकरे, डिजिटल मीडिया जिला अध्यक्ष अनिल आगुंडे, पत्रकार संघ के जिला कार्याध्यक्ष अमोल कापसे, वरिष्ठ पत्रकार सुभाष सुतार, 'सामना' के तालुका प्रतिनिधि प्रदीप जोशी, 'साप्ताहिक बीड राज्यकर्ता' के संपादक अमोल वैद्य, प्रो. चंद्रकांत नवपुते सहित काज़ी परिवार के सदस्य – दामाद शेख महमूद, ज्येष्ठ पुत्र काज़ी अमान, द्वितीय पुत्र काज़ी शौकत, कनिष्ठ पुत्र काज़ी शकील, नाती काज़ी उबैद, काज़ी समी, काज़ी शाहनवाज़, काज़ी कैफ, काज़ी सैफ आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर काज़ी अमान ने अपने पिता की स्मृतियों को साझा करते हुए भावुक होकर कहा कि माँ-बाप का साया छिन जाना हर व्यक्ति के लिए एक बहुत बड़ा दुर्भाग्य होता है। काज़ी हयातुल्ला न केवल मेरे पिता थे बल्कि पत्रकारिता के मेरे मार्गदर्शक भी थे। वे अंतिम क्षण तक मुझे पत्रकारिता सिखाते रहे। प्रदेशाध्यक्ष वसंत मुंडे ने काज़ी हयातुल्ला के छह दशकों की पत्रकारिता को दीपस्तंभ की उपमा देते हुए कहा कि जो व्यक्ति ६० वर्ष केवल पत्रकारिता के लिए जिया, उसका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने घोषणा की कि उनके नाम से हर वर्ष एक पुरस्कार दिया जाएगा, ताकि उनकी स्मृति चिरस्थायी बनी रहे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com